पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

स्वंय सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठन, प्रगतिशील किसानों के साथ राज्यपाल की बैठक

राज्यपाल ने 11 स्वंय सेवी संस्थाओं द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया

स्वंय सहायता समूह से महिलाओं को मान, सम्मान एवं गौरव मिला

स्वयं सहायता समूह से महिलाओं आर्थिक स्थिति में हुआ सुधार

बेटा–बेटी में बिना भेदभाव किये बच्चों को खूब पढ़ाएं

स्वयं समूह की महिलाएं टी0बी0 ग्रसित बच्चों व उनके परिवार को अच्छे खान–पान के लिए प्रेरित करें

स्वयं सेवी संस्थाएं तथा सभी अधिकारी कम से कम एक–एक टी0बी0 ग्रसित बच्चे को गोद लें –

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 09 फरवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज गोरखपुर के सर्किट हाउस में स्वंय सहायता समूहों, क्षय रोग ग्रसित बच्चों एवं किसान उत्पादक संगठन, प्रगतिशील किसानों के साथ बैठक की तथा स्वंय सहायता समूह की 11 समूहों से वार्ता की। समूह की महिलाओं द्वारा बताया गया कि समूह से जुड़कर मेरा आर्थिक उन्नयन हुआ तथा परिवार में खुशहाली का माहौल है। इस मौके पर राज्यपाल ने स्वंय सहायता समूहों को 7 करोड़ 33 लाख 10 हजार रूपये का डेमो चेक, जिसमें 1074 समूहों का रिवाल्विंग फन्ड तथा 520 समूहों को एक लाख 10 हजार सम्मिलित है तथा सामुदायिक शौचालय के तहत 2 महिलाओं को चाभी एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत कोटे की एक दुकान चयन का नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर 11 स्वंय सेवी संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाये गये थे, जिसका राज्यपाल ने विधिवत अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि स्वंय सहायता समूहों की महिलाओं की बातों को सुनकर अपार खुशी हुई है, 10 साल पहले

महिलाओं की स्थिति और आज की स्थिति में बेहतर सुधार हुआ है। स्वंय सहायता के अन्दर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और आज वे इससे जुड़कर उनका आर्थिक उन्नयन हुआ है। उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं को आगे आकर टी0बी0 ग्रसित बच्चों एवं मरीजों के परिवार को प्रेरित करें कि, अच्छे खान पान से मरीज ठीक हो जायेगा, गांव में ऐसे मरीजों की जानकारी समूह को करनी चाहिए।

राज्यपाल ने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन उत्थान का बड़ा माध्यम होता है, समूह की महिलाओं से कहा कि वे संकल्प लें कि बेटा–बेटी में कोई भेद भाव नही है, दोनो एक समान है, ऐसे भाव के साथ अपने बच्चों को खूब पढ़ायें। उन्होंने कहा कि बच्चियों का सशक्त होना जरूरी है तथा उनका ब्लड टैस्ट कराया जाये और यह सुनिश्चित हो कि हीमोग्लोबीन 13 से 16 प्रतिशत से कम नही होना चाहिए, कुपोषण से बच्चियों के जीवन को बचाने के लिए बाल विवाह कदापि न करें, 18 साल से कम उम्र की बच्चियों की शादी करने पर सजा का भी प्राविधान है। उन्होंने यह संकल्प लिया जाये कि बाल विवाह एवं दहेज प्रथा की परिपाटी को पनपने नहीं दिया जायेगा, महिलाएं जब तक चुप रहेगी तब तक यह कुप्रथा दूर नही हो सकती है। समाज में कुप्रथा को दूर करने के लिए महिलाओं को आगे आना होगा। स्वच्छ, स्वस्थ्य एवं शांत समाज की स्थापना की जाये।

राज्यपाल ने कहा कि स्वंय सहायता समूह से महिलाओं को मान, सम्मान, गौरव प्राप्त हुआ है। देश के विकास में महिलाओं की शक्ति को जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। किशाोरियों, बेटियों, युवाओं के हित में अनेक योजनाएं शासन द्वारा संचालित की गयी है, इसके व्यापक प्रचार प्रसार के साथ ही इसका लाभ पात्र लाभार्थी को मिले।

इसके अतिरिक्त राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2025 तक पूरे देश को टी0बी0 मुक्त करने का लक्ष्य भारत के प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित किया गया है। टी0बी0 ग्रसित मरीजों को चिन्हित कर उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कम से कम एक–एक टी0बी0 ग्रसित बच्चों को गोद लें और इस

कार्य से स्वंय सेवी संस्थाएं भी जुड़े। यूनिवर्सिटी एवं कालेज भी ऐसे बच्चों को गोद लेंगे।

इसके अतिरिक्त राज्यपाल ने कुल 5 किसान उत्पादन संगठन एवं प्रगतिशील किसानों से वार्ता की तथा कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। जब लागत कम होगी तो आय बढ़ेगी। उन्होंने कम्पोस्ट खाद का अधिकाधिक प्रयोग करने के सुझाव देते हुए कहा कि केमिकलयुक्त अनाज, फल, सब्जिया स्वास्थ्य के प्रति अच्छी नहीं होती है इसलिए आर्गेनिक उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसान अन्नदाता है, वह अनाज उगाते है और प्रधानमंत्री का कहना है कि वे अपनी फसल की कीमत किसान स्वंय तय करें ताकि उनकी उपज का वास्तविक मूल्य मिले। भारत सरकार की मंशा है कि हमारे किसान सशक्त एवं समृद्ध हो।

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह, मण्डलायुक्त जयन्त नार्लिकर, जिलाधिकारी के विजयेन्द्र पाण्डियन सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

———–

राम मनोहर त्रिपाठी राजभवन (145/11)

क्षय-रोग ग्रसित बच्चों

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल
मा० राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश
प्रेरणा

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल
प्रेरणा